

भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 3062
दिनांक 18 दिसंबर 2025

इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल की शुरुआत

†3062. श्री कोडिकुन्नील सुरेश:

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को 20 प्रतिशत इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल (ई-20) के राष्ट्रव्यापी कार्यान्वयन के संबंध में चिंताओं की जानकारी है, जो विशेषकर ई-20 अनुकूलता के लिए प्रमाणित नहीं किए गए वाहनों में इंजन में जंग लगने, कम माइलेज और कार्य-निष्पादन संबंधी मुद्दों से संबंधित है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या वर्ष 2023 से पहले विनिर्मित दोपहिया वाहनों और यात्री वाहनों पर ई-20 के दीर्घकालिक प्रभाव के संबंध में कोई आकलन किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने ई-20 के लागू होने के बाद इंडियन आयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन और हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के मुनाफे में तीव्र वृद्धि पर ध्यान दिया है और क्या मंत्रालय ने उच्च इथेनॉल मिश्रण और कारपोरेट लाभप्रदता में वृद्धि के बीच किसी संभावित संबंध की जांच की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने ईंधन दक्षता में कमी और अतिरिक्त रख-रखाव लागत से उपभोक्ताओं पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ का मूल्यांकन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं कि ई-20 के विस्तार से उपभोक्ताओं अथवा वाहन सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े और ई-20 पेट्रोल की कीमत कम करने के लिए क्या उपाय किए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (ङ) सरकार और ओएमसीज़ ने ई20 ईंधन के उपयोग के संबंध में कुछ मीडिया रिपोर्टों/सोशल मीडिया पोस्टिंग्स और चिंताओं को नोटिस किया है। नीति आयोग के तहत दिनांक 26.12.2020 को गठित अंतर-मंत्रालयी समिति (आईएमसी) ने अन्य बातों के साथ-साथ, वाहन अनुकूलता और माइलेज के विभिन्न पहलुओं की जांच की थी। यह आकलन इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), ऑटोमोटिव रिसर्च

एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई), और सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चर्स (एसआईएम) द्वारा किए गए शोध अध्ययनों द्वारा भी समर्थित था। ई 20 ईंधन वाले वाहनों पर व्यापक क्षेत्र परीक्षणों ने किसी भी असंगत समस्या अथवा ई 20 के किसी भी नकारात्मक प्रभाव का संकेत नहीं दिया है। इन अध्ययनों ने पुष्टि की है कि पुराने वाहन भी ई20 ईंधन से चलने पर कार्य-निष्पादन में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं दिखाते हैं, न ही उनमें असामान्य टूट-फूट दिखाई देती है और न ही चलाने की योग्यता, स्टार्ट करने की क्षमता, धातु अनुकूलता और प्लास्टिक अनुकूलता जैसे मापदंडों में कोई समस्या बताई गई है। केवल कुछ पुराने वाहनों के मामले में, कुछ रबर वाले भागों और गास्केट को गैर-मिश्रित ईंधन का उपयोग करने के पहले पहले बदलने की आवश्यकता हो सकती है। यह प्रतिस्थापन सस्ता है और नियमित सर्विसिंग के दौरान आसानी से प्रबंधित किया जा सकता है। वाहन के जीवनकाल में इसे एक बार करने की आवश्यकता हो सकती है और यह एक सरल प्रक्रिया है जिसे किसी भी प्राधिकृत वर्कशॉप में किया जा सकता है।

ई20 ईंधन के उपयोग के कारण वाहन की माईलेज से जुड़ी चिंता के संबंध में सरकार द्वारा दिनांक 12.08.2025 को जारी प्रेस रिलीज और सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चर्स, ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया और फेडरेशन ऑफ इंडियन पेट्रोलियम इंडस्ट्री (एआरएआई-एफआईपीआई-एसआईएम) द्वारा दिनांक 30.08.2025 को जारी संयुक्त प्रेस रिलीज के माध्यम से स्पष्ट किया गया है कि वाहन की माईलेज केवल ईंधन की किस्म से परे विभिन्न घटकों द्वारा प्रभावित होती है। इनमें ड्राइविंग की आदतें, रखरखाव की प्रक्रिया जैसे तेल बदलना और एयर फिल्टर की स्वच्छता, टायर का दबाव और एलाइनमेंट और एयर कन्डीशनिंग लोड भी शामिल है। ई10 वाहनों में दक्षता में कमी (यदि कोई हो) मामूली रही है। कुछ विनिर्माताओं की लिए, वाहन वर्ष 2009 से ही ई-20 अनुकूल रहे हैं।

एआरएआई, एफआईपीआई और एसआईएम द्वारा दिनांक 30.08.2025 को जारी किए गए संयुक्त वक्तव्य के अनुसार, ई-20 के उपयोग से बेहतर त्वरण, बेहतर सवारी की गुणवत्ता और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ई10 ईंधन की तुलना में कार्बन उत्सर्जन में लगभग 30% की कमी आई है। एथेनॉल की उच्च-ऑक्टेन संख्या एथेनॉल-मिश्रित ईंधन को उच्च-ऑक्टेन आवश्यकताओं के लिए एक मूल्यवान विकल्प बनाती है जो आधुनिक उच्च-संपीड़न इंजनों के लिए महत्वपूर्ण है। ई20 के लिए ट्यून किए गए वाहन बेहतर त्वरण प्रदान करते हैं जो शहर में ड्राइविंग की स्थिति में बहुत महत्वपूर्ण कारक है। इसके अतिरिक्त, एथेनॉल की उच्च वाष्पीकरण ऊष्मा कई गुना तापमान को कम करती है, जिससे वायु-ईंधन मिश्रण घनत्व बढ़ता है और वॉल्यूमेट्रिक दक्षता बढ़ती है।

दिनांक 26.06.2010 से पेट्रोल के मूल्य (इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल सहित) बाजार निर्धारित रहे हैं। तबसे ओएमसीज़ पेट्रोल के मूल्य-निर्धारण पर अन्य बातों के साथ-साथ, अंतर्राष्ट्रीय उत्पाद मूल्यों, घरेलू बाजार की स्थितियों आदि के आधार पर उपयुक्त निर्णय लेती है। इसके अतिरिक्त इथेनॉल के अधिप्राप्ति मूल्य कुछ वर्षों से बढ़ रहे हैं। इथेनॉल आपूर्ति वर्ष 2024-25 के लिए इथेनॉल की औसत अधिप्राप्ति लागत 71.55 रुपए/लीटर (परिवहन और जीएसटी को मिलाकर) है, जो ओएमसीज़ के लिए रिफाइंड पेट्रोल की लागत से अधिक थी।
